गर्भणी-दृष्टि

चर्चा में क्यों?

भारत ने देश की पहली **फेरेट अनुसंधान सुविधा का उद्घाटन करके, गर्भ-इनि-दृष्टि डेटा रिपोजिटरी का शुभारंभ करके** तथा एक प्रमुख प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते को अंतिम रूप देकर, **अत्याधुनिक जैव-चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया है।

- यह कार्यक्रम **हरियाणा के फरीदाबाद स्थित NCR बायोटेक साइंस क्लस्टर स्थित ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (THSTI)** में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **THSTI फेरेट अनुसंधान सुविधा:**
  - **भारत ने THSTI फेरेट अनुसंधान सुविधा का उद्घाटन किया, जो उच्चतम जैव सुरक्षा और अनुसंधान मानकों** का पालन करने वाली एक अत्याधुनिक स्थापना है।
  - यह सुविधा **टीकाकरण के विकास, चिकित्सीय परीक्षण और उभरते संक्रामक रोगों पर अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।**
  - यह **भारत की महामारी संबंधी तैयारी रणनीति** को **सशक्त** करता है और वैश्विक वैज्ञानिक अनुसंधान में इसकी स्थिति को बढ़ाता है।
- **गर्भ-इनि-दृष्टि:**
  - गर्भ-इनि-दृष्टि (GARBH-INi-DRISHTI) THSTI में एक अग्रणी **DBT डेटा रिपोजिटरी और सूचना साझाकरण केंद्र** है।
  - यह प्लेटफॉर्म **12,000 से अधिक गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसवोत्तर माताओं से नैदानिक डेटा, चित्र और जैविक नमूनों की उपलब्धता प्रदान** करता है।
    - दक्षिण एशिया के सबसे बड़े मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य डेटाबेस में से एक के रूप में, यह शोधकर्त्ताओं को मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिये **परिवर्तनकारी अध्ययन करने में सक्षम बनाता है।**
  - यह पहल भारत के अग्रणी अनुसंधान संस्थानों और अस्पतालों के बीच सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है, जो एक प्रबल अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देती है।
- **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता:**
  - THSTI ने अपने नवोन्मेषी **माइक्रोबियल कंसोर्टियम, लैक्टोबेसिलिस क्रिस्पैटस के व्यावसायीकरण के लिये** मेसर्स **सुंदोटा नुमांडसि प्रोबायोस्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ** एक **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किये।**
    - गर्भ-इनि समूह में नामांकित **महिलाओं के प्रजनन पथ से पृथक किया गया यह सिंथेटिक माइक्रोबियल संघ, न्यूट्रास्युटिकल अनुप्रयोगों के लिये अपार संभावनाएँ रखता है।**
  - **यह समझौता लक्षित माइक्रोबायोम-आधारित हस्तक्षेपों** के माध्यम द्वारा अनुसंधान को वास्तविक विश्व स्वास्थ्य समाधानों में परिवर्तित करने की सुविधा प्रदान करता है।

गर्भ-इनि (GARBH-INi)

- **गर्भ-इनि (जन्म परिणामों पर उन्नत अनुसंधान के लिये अंतःविषय समूह-DBT इंडिया पहल) की शुरुआत वर्ष 2014 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT)** द्वारा एक सहयोगात्मक अंतःविषय कार्यक्रम के रूप में की गई थी।
- यह **कार्यक्रम ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (THSTI),** NCR बायोटेक क्लस्टर, फरीदाबाद द्वारा संचालित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य **समय से पूर्व जन्म (PTB) के जैविक और गैर-जैविक जोखिमों को स्पष्ट करना है,** ताकि **महत्त्वपूर्ण ज्ञान-संचालित हस्तक्षेप** और प्रौद्योगिकियों का निर्माण किया जा सके, जिन्हें इस रोग के लिये नैदानिक अभ्यास और समुदाय में स्थायी रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/garbhini-drishti